

National Militia

+

*381. { Shri R. G. Dubey:
Shri Vishram Prasad:

Will the Minister of Defence be pleased to state whether Government have given their consideration to the proposal to organise a National Militia consisting of the village youths in all the border districts with a view to giving them intensive training in warfare, keeping in view the tactics of the Chinese Army?

The Deputy Minister in the Ministry of Defence (Shri D. R. Chavan): There is no proposal to organise a force with the nomenclature "National Militia". Presumably, the hon'ble Member is referring to the National Volunteer Rifles. A scheme for the formation of this force is under preparation.

Shri R. G. Dubey: What steps have been taken to spread this organisation in the border districts, specially near the Himalayas?

Shri D. R. Chavan: A scheme for the formation of the National Volunteer Rifles is under consideration.

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही है कि सरकार के पास इतने साधन नहीं हैं कि वह सरहद के इलाकों में नेशनल वालंटियर कोर की ट्रेनिंग दे सके ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : श्री हां, इतने साधन नहीं हैं—बनाये जा रहे हैं। मसलन इस वक्त बन्दूकों और राइफिलों की लाखों में मांग है। हमारे पास लाखों नहीं हैं। हम बनाते जाते हैं और बाहर से मंगते हैं और जो सामान आता जाता है उसे देते जाते हैं।

श्री विश्राम प्रसाद : अगर इस तरह की ट्रेनिंग देने की स्कीम नहीं है तो

क्या सरकार कृपा कर के बताएगी कि बार्डर के इलाकों के लोगों को आगे एपेशन से बचाने के लिये क्या व्यवस्था की जा रही है ?

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने ने यह नहीं कहा कि स्कीम नहीं है, उन्होंने ने कहा कि उस के बारे में सोच रहे हैं।

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, अभी प्रधान मंत्री के वक्तव्य से जान पड़ता है कि अभी भी हमारी अवस्था अनाथों जैसी है। यदि सरकार के पास साधन नहीं हैं तो मैं पूछना चाहता हूँ कि वह सीमा की सुरक्षा के लिए और देश की रक्षा के लिए साधन जुटाने को ये जो नाच आदि की योजनाएँ हैं इन को क्यों खत्म नहीं कर देती ?

अध्यक्ष महोदय : बैठ जाइए आप।

Shri P. Venkatasubbalah: While organising this National Volunteer Rifles has sufficient care been taken to see that the arms are not passed on to undesirable social elements?

Shri Jawaharlal Nehru: This is a fact which has to be borne in mind because such things have happened in the past; of course, not in the recent past. So, we cannot just issue them to anybody who asks for them. At present, the insufficiency of rifles is not so much for the army as for the home guards, volunteers and all kinds of other organisations whose demand for rifles runs into, I do not know, may be a million or so. We are trying to meet them as far as we can. Of course, naturally the army has the first preference.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेना

*३८२. श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय स्वयंसेवक सेना (नेशनल वालंटियर राइफल्स) बनाने का जो निश्चय